परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो।
यह हमारी कृपा है कि प्रभु ने हमें आज एक और दिन देखने की अनुमति दी। आइए हम आज के इस संदेश को एक साथ पढ़ें और विचार करें।

जैसा कि हम जानते हैं, हम अंतिम समय में रहते हैं। हर बीतता क्षण हमें उस अंतिम समय के और करीब ले जाता है। इसलिए, आज हमने एक और दिन पीछे छोड़ दिया, उन बचे हुए कुछ दिनों में से जो हमारे सामने हैं, उस अंतिम समय तक पहुँचने के लिए।

परंतु इसके साथ ही, बाइबल हमें चेतावनी देती है कि मसीह के दूसरे आगमन की एक निशानी पापों और ज्ञान में वृद्धि है। आज हम ज्ञान की वृद्धि के बजाय पापों की वृद्धि पर ध्यान देंगे (मत्ती 24:12)। हम इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण तथ्य सीखेंगे।

सुझाव है कि इस संदेश को पढ़ने से पहले, आप पिछले छोटे पाठ को भी पढ़ लें, जिसका शीर्षक था: “क्या तुम्हें यह कहना चाहिए कि पुराने दिन अब के दिनों से बेहतर थे?” यह संदेश हमारे आज के अध्ययन से गहरा संबंध रखता है।

अगर आप आज की दुनिया पर विचार करें, तो आप कह सकते हैं कि कल और परसों की तुलना में आज की स्थिति बहुत खराब है। पापों में वृद्धि हो रही है… लोगों का प्रेम ठंडा हो रहा है, हत्याएं बढ़ रही हैं, नफरत बढ़ रही है, बदला, स्वार्थ, चोरी, व्यभिचार और हर

प्रकार का अन्याय फैल रहा है।

यह सब मसीह के पुनरागमन की निशानी है। पर सवाल यह है: क्यों बुराई की निशानियां यीशु के आगमन की हैं, और क्यों अच्छाई की नहीं?

उत्तर यह है कि मसीह के आगमन के समय (अर्थात् स्वर्गीय घटना के ठीक पहले), पवित्र लोगों की पवित्रता का स्तर बहुत ऊँचा होगा। और पवित्रता की वृद्धि की एक निशानी पापों की वृद्धि भी है।

प्रिय मित्रों, जब आप पापों के बढ़ने को देखें, समझ लें कि कहीं न कहीं अच्छाई भी बहुत बढ़ गई है। हो सकता है कि यह अच्छाई केवल एक व्यक्ति में हो, लेकिन उस व्यक्ति का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण होगा।

बहुत से लोग यह नहीं देखते क्योंकि वे सोचते हैं कि दुनिया में बुराई इतनी है कि कोई भी परमेश्वर को प्रिय नहीं है। याद रखें: बुराई की वृद्धि भी पवित्रता की वृद्धि का संकेत हो सकती है।

जैसे कि परमेश्वर ने स sod◌ोमा और गोमोरा के पापों से क्रोधित होते समय, अब्राहम से बहुत प्रसन्नता महसूस की। सधारण पापों में वृद्धि किसी निश्चित जगह पर परमेश्वर के वफादार लोगों की पवित्रता का संकेत है।

आज अगर आप देखें कि कई महिलाएँ आधी नंगी सड़कों पर चल रही हैं, या चर्च में इस अवस्था में आ रही हैं… तो यह मत सोचिए कि सभी ऐसे हैं। यह संकेत है कि कहीं न कहीं महिलाएँ परमेश्वर के प्रति सम्मान और पवित्रता में उच्च स्तर पर हैं।

अगर आप झूठे भविष्यवक्ताओं की बाढ़ देखें, यह डरने का कारण नहीं है बल्कि यह प्रमाण है कि कहीं न कहीं सच्चे सेवक हैं। बाइबल कहती है कि अंतिम समय में घास और गेहूं दोनों बढ़ेंगे। जब आप खेत में घास और गेहूं दोनों को देखें, तो समझें कि फ़सल तैयार हो रही है।

साधारण जीवन भी हमें यही सिखाता है। भले ही आज दुनिया में लोग कमजोर दिखाई दें, बीमारियाँ बढ़ रही हों और शक्ति कम हो रही हो… लेकिन रिकॉर्ड देखें, फिर भी हर साल कुछ लोग अद्भुत जीवन जीते हैं।

इसी तरह, विश्वास में भी यही सच है। जब दुनिया में अत्यधिक पाप होगा, तब भी प्रभु के विश्वासी लोग रहेंगे। जैसे अहाब के समय, जब उनकी पत्नी यहेज़ेबेल ने इस्राएल को जादू और अन्याय का केंद्र बना दिया था, तब भी एलियाह जैसे लोग मौजूद थे, और साथ ही 7000 अन्य नबियों ने बैल की पूजा नहीं की।

इसलिए, यह समय यह कहने का नहीं है कि “आह! दुनिया बुरी हो गई,

मुझे भी बुराई करनी चाहिए।” या “आजकल कोई पवित्र नहीं है, मुझे भी पवित्र होने की जरूरत नहीं।” यह शैतान का झूठ है।

याद रखें: “क्या तुम यह कहोगे कि पुराने दिन अब के दिनों से अच्छे थे? क्या तुम इस शब्द के लिए बुद्धिमान होकर नहीं पूछते?” (प्रवचन 7:10)

प्रभु हमारी आँखें खोलें और हमें और अधिक पवित्र बनने में मदद करें, क्योंकि वह दिन नजदीक है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp